

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS
SIXTEENTH REPORT

Sardar A. S. Saigal (Janjgir): I beg to move:

"That this House agrees with the Sixteenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 11th March, 1958."

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

"That this House agrees with the Sixteenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 11th March, 1958."

The motion was adopted.

RESOLUTION RE EXTENSION OF PERIOD OF RESERVATION OF SEATS IN LEGISLATURES FOR SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES

श्री दीनबन्धु परमार (उदयपुर—रक्षित-अनुसूचित आदिम जातियाँ): उपाध्यक्ष महोदय, मैं संकल्प पेश करता हूँ कि इस सभा की यह राय है कि सरकार को संविधान में संशोधन करने के लिए विधान प्रस्तुत करना चाहिए, ताकि संविधान के अनुच्छेद ३३४ के अन्तर्गत संसद् और विधान-मंडलों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए उपबन्धित स्थानों के रक्षण की अवधि दस वर्ष और बढ़ा दी जाय।

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य बरा ठहर जायें। यह रेजोल्यूशन अब मूव तो हो गया और अब मैं माननीय सदस्य से कहूंगा कि वह इस पर तकरीर भी करें, लेकिन चूंकि मुझ पर यह बोझ है, इसलिए मैं पहले वक्त के मुताबिक फंसला कर देना चाहता हूँ। जितनी चिट्ठस मेरे पास आ रही हैं, उनसे मालूम होता है कि शायद

इस मजमून पर सारे ही मेम्बर साहबान बोलना चाहेंगे। इसलिए मैं शुरू में ही यह कहना चाहता हूँ कि हरेक सदस्य यह स्थाल रखे और कम से कम वक्त लें, ताकि जितने ज्यादा से ज्यादा मेम्बर बोल सकें, उतना ही अच्छा होगा।

एक माननीय सदस्य : दस मिनट।

उपाध्यक्ष महोदय : कम से कम मुझे तो दस मिनट रखने में कोई एतराज नहीं है, लेकिन अगर दस मिनट रखे जायेंगे, तो बहुत थोड़े मेम्बर साहबान बोल सकेंगे। अगर दस मिनट से भी कम—सात मिनट—रखें जायें, तो ठीक होगा।

श्री प० ला० बाबूपाल (बीकानेर—रक्षित-अनुसूचित जातियाँ): सात मिनट ही कर दिए जायें। सबको मौका मिलना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय : हरेक मेम्बर साहब के लिए सात मिनट है और जिन्होंने मूव किया है, उनके लिए पंद्रह मिनट रखे जाते हैं।

श्री बजरंग सिंह : (फिरोजाबाद): समय कितना है ?

उपाध्यक्ष महोदय : २ घंटे २६ मिनट।

Shri Naushir Bharucha (East Khandesh): Why not extend the time?

Shri B. K. Gaikwad (Nasik): The resolution is very important, and, therefore, the time may please be extended. If Members want to express their views, they should be allowed to speak.

Shri Thimmaiah (Kolar—Reserved-Sch. Castes): We may extend the time up to 6 P.M.

Mr. Deputy-Speaker: The difficulty is that hon. Members do not take up the question when there is the opportunity for them. When I was putting the motion before the House and it was being voted upon by the House nobody stood up and said that the time